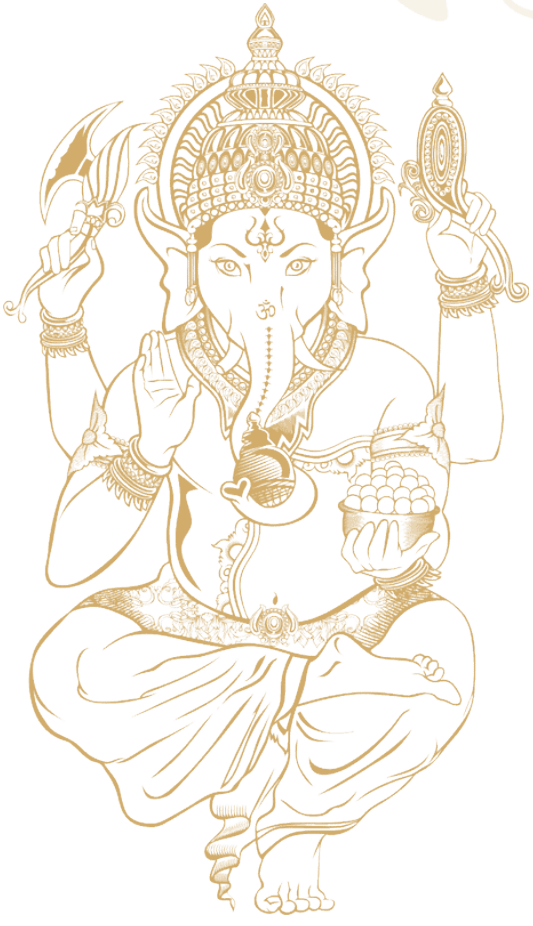

Mr.krisns

26 Jan 2026

02:20 PM

Motihari

Model: web-freekundliweb

Order No: 121057602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/01/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**14:20:00 घंटे**
इष्ट	19:14:19 घटी
स्थान	**Motihari**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:40:00 उत्तर
रेखांश	84:55:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:09:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:29:40 घंटे
वेलान्तर	-00:12:29 घंटे
साम्पातिक काल	22:52:19 घंटे
सूर्योदय	06:38:16 घंटे
सूर्यास्त	17:27:45 घंटे
दिनमान	10:49:29 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	12:10:55 मकर
लग्न के अंश	01:45:30 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शुभ
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ली-लीलाधर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	01:45:30	336:58:47	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			मक	12:10:55	01:00:59	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	14:22:50	14:04:15	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	मक	08:06:09	00:46:50	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि
बुध		अ	मक	15:24:31	01:43:28	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	23:47:43	00:07:18	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	16:53:04	01:15:22	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	मित्र राशि
शनि			मीन	03:52:46	00:05:33	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:12:01	00:00:23	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:12:01	00:00:23	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:16:11	00:00:27	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:46:03	00:01:31	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:17:38	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	17:26:12	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:23

लग्न-चलित

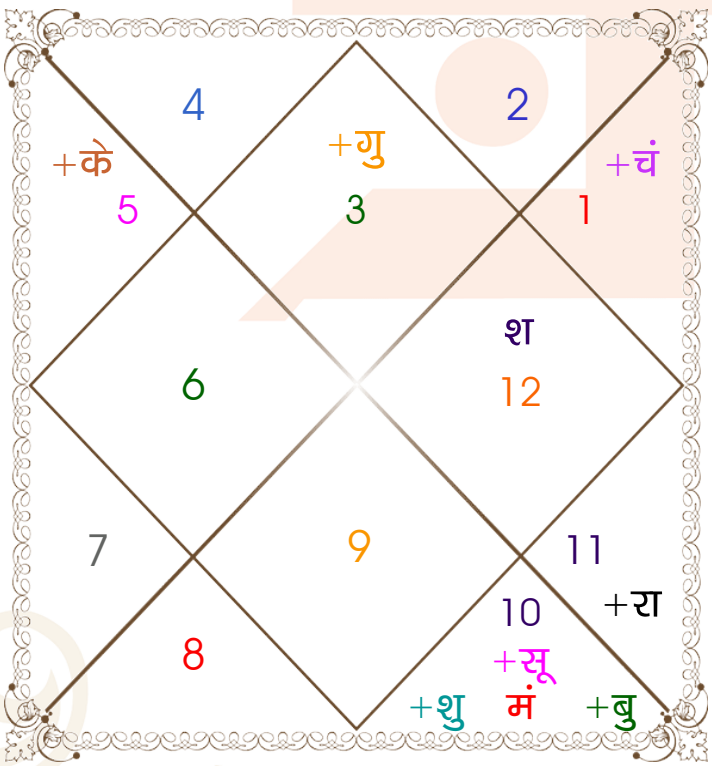

चन्द्र कुंडली

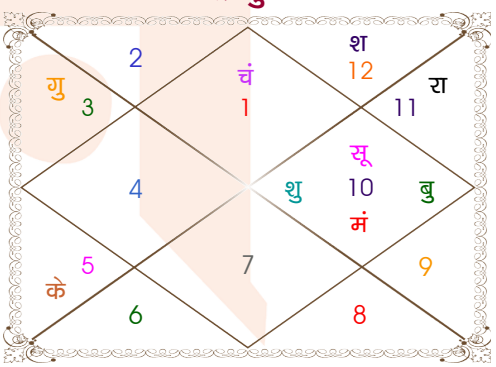

नवमांश कुंडली

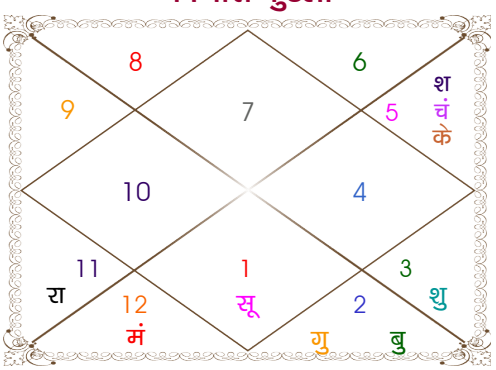

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 18 वर्ष 5 मास 4 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
26/01/2026		01/07/2044		02/07/2050		01/07/2060		02/07/2067	
01/07/2044		02/07/2050		01/07/2060		02/07/2067		02/07/2085	
शुक्र	01/11/2027	सूर्य	19/10/2044	चंद्र	02/05/2051	मंगल	27/11/2060	राहु	14/03/2070
सूर्य	31/10/2028	चंद्र	19/04/2045	मंगल	01/12/2051	राहु	16/12/2061	गुरु	07/08/2072
चंद्र	02/07/2030	मंगल	25/08/2045	राहु	01/06/2053	गुरु	22/11/2062	शनि	14/06/2075
मंगल	01/09/2031	राहु	20/07/2046	गुरु	01/10/2054	शनि	01/01/2064	बुध	31/12/2077
राहु	01/09/2034	गुरु	08/05/2047	शनि	01/05/2056	बुध	28/12/2064	केतु	19/01/2079
गुरु	02/05/2037	शनि	19/04/2048	बुध	01/10/2057	केतु	26/05/2065	शुक्र	18/01/2082
शनि	01/07/2040	बुध	24/02/2049	केतु	02/05/2058	शुक्र	26/07/2066	सूर्य	13/12/2082
बुध	02/05/2043	केतु	02/07/2049	शुक्र	01/01/2060	सूर्य	01/12/2066	चंद्र	13/06/2084
केतु	01/07/2044	शुक्र	02/07/2050	सूर्य	01/07/2060	चंद्र	02/07/2067	मंगल	02/07/2085

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
02/07/2085		03/07/2101		02/07/2120		03/07/2137		02/07/2144	
03/07/2101		02/07/2120		03/07/2137		02/07/2144		00/00/0000	
गुरु	20/08/2087	शनि	05/07/2104	बुध	29/11/2122	केतु	29/11/2137	शुक्र	27/01/2146
शनि	02/03/2090	बुध	15/03/2107	केतु	26/11/2123	शुक्र	29/01/2139		00/00/0000
बुध	07/06/2092	केतु	23/04/2108	शुक्र	26/09/2126	सूर्य	06/06/2139		00/00/0000
केतु	14/05/2093	शुक्र	24/06/2111	सूर्य	02/08/2127	चंद्र	05/01/2140		00/00/0000
शुक्र	13/01/2096	सूर्य	05/06/2112	चंद्र	01/01/2129	मंगल	02/06/2140		00/00/0000
सूर्य	31/10/2096	चंद्र	04/01/2114	मंगल	29/12/2129	राहु	20/06/2141		00/00/0000
चंद्र	02/03/2098	मंगल	13/02/2115	राहु	18/07/2132	गुरु	27/05/2142		00/00/0000
मंगल	06/02/2099	राहु	20/12/2117	गुरु	23/10/2134	शनि	06/07/2143		00/00/0000
राहु	03/07/2101	गुरु	02/07/2120	शनि	03/07/2137	बुध	02/07/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 18 वर्ष 5 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।